

धनतेरस

धनकी बरकत, सेहतकी सौगात





धनतेरस धन्वंतरि की पूजा का पर्व है। हिंदू परंपराओं के अनुसार, धन्वंतरि समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुए थे, उनके एक हाथ में अमृत (अमरता प्रदान करने वाला अमृत) से भरा पात्र और दूसरे हाथ में आयुर्वेद का पवित्र ग्रंथ था। उन्हें देवताओं का चिकित्सक माना जाता है । धन्वंतरि को विष्णु का अवतार भी माना जाता है । यह त्योहार लक्ष्मी पूजा के रूप में मनाया जाता है।

कार्तिक माह (पूर्णिमान्त) की कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन समुद्र-मंन्थन के समय भगवान धन्वन्तरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए इस तिथि को धनतेरस या धनत्रयोदशी के नाम से जाना जाता है। भारत सरकार ने धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। जैन आगम में धनतेरस को धन्य तेरस या ध्यान तेरस भी कहते हैं। भगवान महावीर इस दिन तीसरे और चौथे ध्यान में जाने के लिये योग निरोध के लिये चले गये थे। तीन दिन के ध्यान के बाद योग निरोध करते हुये दीपावली के दिन निर्वाण को प्राप्त हुये। तभी से यह दिन धन्य तेरस के नाम से प्रसिद्ध हुआ। धनतेरस धन्वंतरि की पूजा का पर्व है। हिंदू परंपराओं के अनुसार, धन्वंतरि समुद्र मंथन के दौरान प्रकट हुए थे, उनके एक हाथ में अमृत (अमरता प्रदान करने वाला अमृत) से भरा पात्र और दूसरे हाथ में आयुर्वेद का पवित्र ग्रंथ था। उन्हें देवताओं का चिकित्सक माना जाता है । धन्वंतरि को विष्णु का अवतार भी माना जाता है । यह त्योहार लक्ष्मी पूजा के रूप में मनाया जाता है , जो शाम को दीये (मिट्टी के दीपक) जलाकर किया जाता है। देवी लक्ष्मी की स्तुति में भजन या भक्ति गीत गाए जाते हैं और देवी को पारंपरिक मिठाइयाँ अर्पित की जाती हैं। महाराष्ट्र में एक अनोखी प्रथा प्रचलित है, जहाँ लोग सूखे धनिये के बीजों को गुड़ के साथ हल्का पीसकर मिश्रण को नैवेद्य के रूप में अर्पित करते हैं। रूप में अर्पित करते हैं । धनतेरस पर, दिवाली की तैयारी में जिन घरों की सफाई नहीं हुई है, उनकी अच्छी तरह से सफाई और सफेदी की जाती है। शाम को स्वास्थ्य और आयुर्वेद के देवता धन्वंतरि की पूजा की जाती है। मुख्य द्वार को रंगीन लालटेन और उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है, और धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी का स्वागत करने के लिए रंगोली के पारंपरिक रूपांकन बनाए जाते हैं। उनके बहुप्रतीक्षित आगमन का संकेत देने के लिए पूरे घर में चावल के आटे और सिंदूर से छोटे-छोटे पदचिह्न बनाए जाते हैं। धनतेरस की रात को, लक्ष्मी और धन्वंतरि के सम्मान में दीये (दीपक) पूरी रात जलते रहते हैं। हिंदू इस दिन को नई खरीदारी, विशेषकर सोने-चांदी की वस्तुएं और नए बर्तन खरीदने के लिए अत्यंत शुभ मानते हैं। ऐसा माना जाता है कि नया धन या कीमती धातु से बनी कोई वस्तु सौभाग्य का प्रतीक होती है। आधुनिक समय में, धनतेरस को सोना, चांदी और अन्य धातुओं, विशेष रूप से रसोई के बर्तनों की खरीदारी के लिए सबसे शुभ अवसर के रूप में जाना जाता है।



कुछ कहानियां हम सभीसे बड़ी होती हैं और रामायण उन्हीं में से एक है-आलिया

रणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म को दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। आम लोगों के साथ-साथ कई बॉलीवुड और टीवी सितारों ने भी इस पर अपना रिएक्शन दिया। अब रणबीर कपूर की वाइफ और अभिनेत्री आलिया भट्ट ने भी एक पोस्ट करते हुए अपने दिल की बात कही है। सिर्फ इतना ही नहीं, आलिया ने पोस्ट में रणबीर कपूर के साथ सेट पर मौजूद राहा की भी कुछ तस्वीरें शेयर की है। बता दें कि रामायण के साथ ही छोटी सी राहा ने भी बॉलीवुड में कदम रख दिया है। जी हां, इस फिल्म में उनका भी कैमियो है। आइए अब जानते हैं कि आलिया ने अपने पोस्ट में क्या कहा। आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर रणबीर कपूर और राहा की दो तस्वीरें शेयर की। यह दोनों फोटो रामायण फिल्म की शूटिंग के दौरान की है। इसे शेयर करते हुए अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, तुमने इस फिल्म में अपना सब कुछ लगा दिया और फिर भी उसके लिए तुम्हारे अंदर सब कुछ बचा रहा। रणबीर, मुझे तुम पर और उन सभी लोगों पर बहुत गर्व है, जिन्होंने इस शानदार फिल्म को बनाने में अपना दिल और पूरी मेहनत लगा दी। कुछ कहानियां हम सभी से बड़ी होती हैं और रामायण उन्हीं में से एक है। बता दें कि नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी रामायण में रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका निभा रहे हैं। वहीं साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी माता सीता के किरदार में हैं, जबकि यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं।



धनतेरसपर राशिके अनुसार करें खरीदारी

धनतेरस का त्योहार धन, सुख-समृद्धि और खुशहाली का प्रतीक माना जाता है। इस दिन सोना, चांदी, बर्तन और झाड़ू जैसी चीजें खरीदने की परंपरा है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, धनतेरस पर खरीदारी करने से घर में बरकत आती है और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। आपकी राशि के अनुसार कौन-सी चीज खरीदना शुभ रहेगा।

मेष -मेष राशि का स्वामी मंगल ग्रह है। मंगल को साहस, ऊर्जा और पराक्रम का कारक माना जाता है। ऐसे में इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर लाल रंग की वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा आप तांबे के बर्तन, सोना या अन्न की खरीदारी भी कर सकते हैं। मान्यता है कि इससे जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

वृषभ -वृषभ राशि के स्वामी शुक्र देव हैं। शुक्र को सुख-सुविधा, सौंदर्य और वैभव का कारक माना जाता है। इसलिए इस राशि के लोगों के लिए धनतेरस पर चांदी का सिक्का, आभूषण या सफेद रंग की वस्तुएं खरीदना अच्छा माना जाता है। आप सौंदर्य से जुड़ी चीजों की खरीदारी भी कर सकते हैं।

मिथुन -मिथुन राशि का स्वामी बुध ग्रह है। बुध को बुद्धि, शिक्षा और व्यापार का कारक माना जाता है। इस राशि के जातक धनतेरस पर पीतल का दीपक, किताबें, कलम या पढ़ाई से जुड़ी चीजें खरीद सकते हैं। इसके अलावा व्यापार में इस्तेमाल होने वाला कोई नया सामान खरीदना भी शुभ माना जाता है।

कर्क -कर्क राशि के स्वामी चंद्र देव हैं। चंद्रमा का संबंध मन, शांति और भावनाओं से माना जाता है। इस राशि के जातकों के लिए चांदी का सिक्का, मोती, सफेद रंग की वस्तुएं या स्टील के बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सुख-शांति बनी रहती है।

सिंह -सिंह राशि के स्वामी सूर्य देव हैं। सूर्य को मान-सम्मान, आत्मविश्वास और ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। इस राशि के लोगों को धनतेरस पर सोना, तांबे के बर्तन, तांबे का कलश या पीले रंग की वस्तुएं खरीदनी चाहिए। ऐसी खरीदारी को शुभ माना जाता है।

कन्या -कन्या राशि का स्वामी बुध ग्रह है। इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर पीतल के बर्तन खरीदना अच्छा माना जाता है। इसके अलावा नई झाड़ू खरीदना भी शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि झाड़ू को मां लक्ष्मी से जोड़कर देखा जाता है और इसे घर में बरकत का प्रतीक माना जाता है।

तुला -तुला राशि का स्वामी शुक्र ग्रह है। शुक्र सुख-सुविधाओं और ऐश्वर्य से जुड़ा ग्रह है। इसलिए इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर चांदी का सिक्का, हीरे के आभूषण या मां लक्ष्मी-गणेश जी की मूर्ति खरीदना शुभ माना जाता है। इससे घर में सुख-समृद्धि आने की मान्यता है।

वृश्चिक -वृश्चिक राशि का स्वामी मंगल ग्रह है। इस राशि के लोगों के लिए धनतेरस पर तांबे के बर्तन खरीदना अच्छा माना जाता है। इसके अलावा पूजा-पाठ का सामान और कुबेर यंत्र खरीदना भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में सकारात्मकता और धन-धान्य बना रहता है।

धनु -धनु राशि के स्वामी बृहस्पति देव हैं। गुरु को ज्ञान, धर्म और सौभाग्य का कारक माना जाता है। इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर पीतल के बर्तन, पूजा के दीपक या सोने के सिक्के खरीदना शुभ माना जाता है। आप घर के मंदिर के लिए भी नई वस्तुएं खरीद सकते हैं।

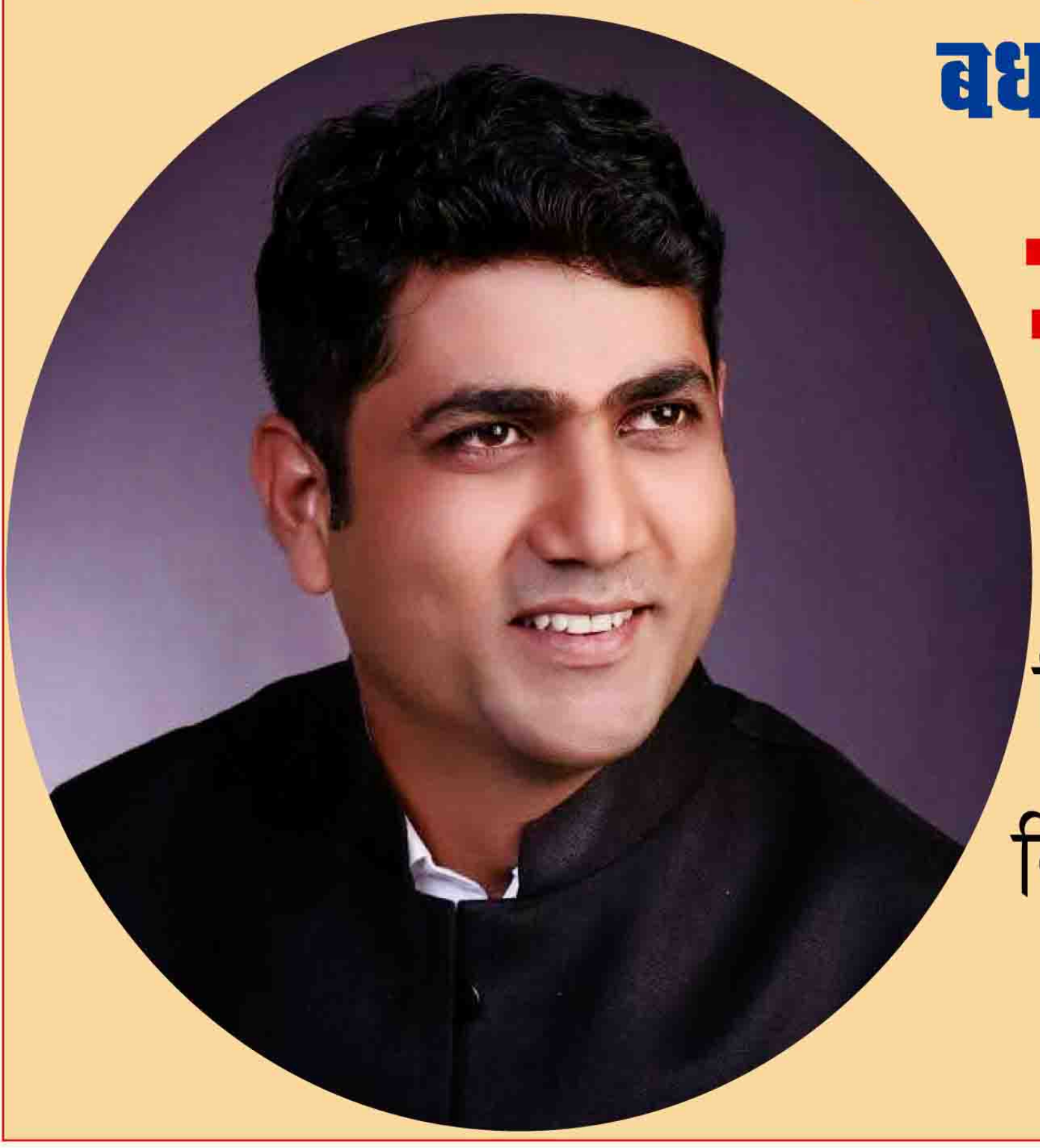
मकर -मकर राशि के स्वामी शनि देव हैं। इस राशि के लोगों के लिए धनतेरस पर नई झाड़ू खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा स्टील के बर्तन या रोजमर्रा के इस्तेमाल की उपयोगी वस्तुएं खरीदना भी अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है।

कुंभ -कुंभ राशि के स्वामी भी शनि देव हैं। इस राशि के जातक धनतेरस पर पूजा-पाठ का सामान, नई झाड़ू, श्री यंत्र या कुबेर यंत्र खरीद सकते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन चीजों को घर लाने से सुख-समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है।

मीन -मीन राशि के स्वामी बृहस्पति देव हैं। गुरु को ज्ञान, धर्म और सौभाग्य से जोड़कर देखा जाता है। इस राशि के जातकों के लिए धनतेरस पर साबुत धनिया खरीदना शुभ माना जाता है। इसके अलावा मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्ति खरीदना भी अच्छा माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है।

विधान सभा क्षेत्र **पथरदेवा (338)** देवरिया की सम्मानित जनता को **धनतेरस, दीपावली, भैयादूज, छठ** के अवसर पर

बधाई एवं **शुभकामनाएं**



सुनील राव

समाजसेवी

निवासी-ग्राम पंचायत बालकुआं

विकास खण्ड-देसही देवरिया

जनपद-देवरिया